सत्यमेव जयते
Ministry of AYUSH

A++ ACCREDITATION BY NAAC

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान
ALL INDIA INSTITUTE OF AYURVEDA

(आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत स्वायत्त संस्थान)
(An Autonomous Organization under the Ministry of Ayush, Govt. of India)

- **What is Latent Tuberculosis?**

Latent tuberculosis is a condition where a person is infected with the bacteria that cause tuberculosis (TB), but the bacteria are in a dormant or inactive state and not causing any symptoms.

- **गुप्त क्षय रोग क्या है?**

गुप्त तपेदिक एक ऐसी स्थिति है जहां एक व्यक्ति तपेदिक (टीबी) का कारण बनने वाले बैक्टीरिया से संक्रमित होता है, लेकिन बैक्टीरिया सुप्त या निष्क्रिय अवस्था में होते हैं और कोई लक्षण नहीं दिखायी देते ।

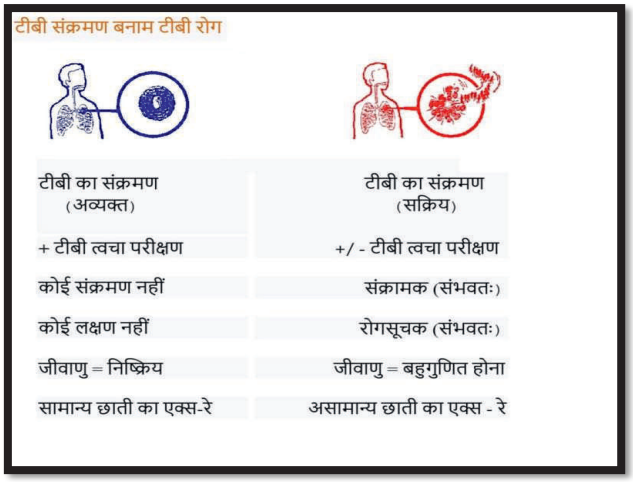

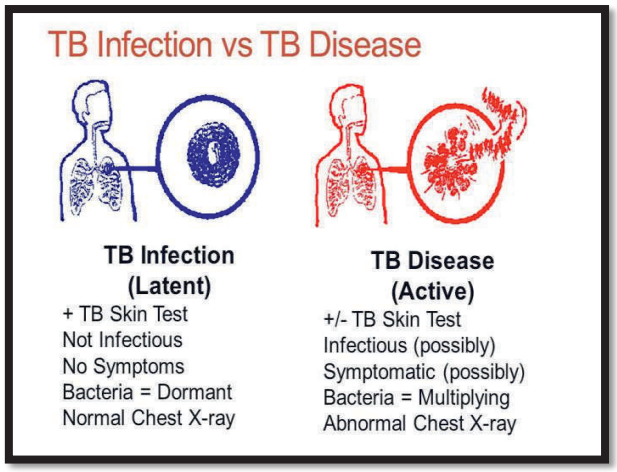

- **What is Active Tuberculosis?**

Tuberculosis (TB) is a potentially serious infectious disease that mainly affects the lungs. The bacteria that cause tuberculosis are spread from person to person through tiny droplets released into the air via coughs and sneezes.

- **सक्रिय टी.बी. (टीबी) क्या है?**

सक्रिय (टीबी) एक संभावित गंभीर संक्रामक रोग है जो मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करता है। तपेदिक का कारण बनने वाले बैक्टीरिया खांसी और छींक के माध्यम से हवा में छोड़ी गई छोटी बूंदों के माध्यम से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलते हैं।

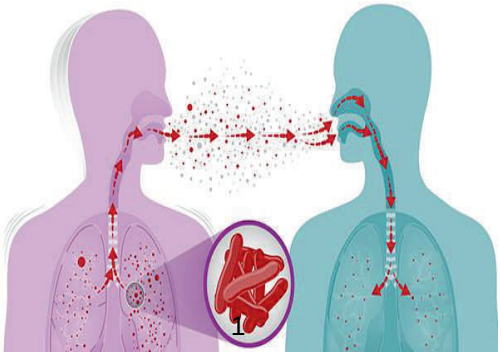

File No. O-50/9/2022-AIIA-Part(2) (Computer No. 4738)
Generated from eOffice by Karan Kumar, IT_CONSULTANT(KK)-IT, IT_CONSULTANT, ALL INDIA INSTITUTE OF AYURVEDA,NEW DELHI on 19/02/2025 11:25 AM

Active TB Signs and symptoms

- Coughing for three or more weeks
- Coughing up blood or mucus
- Chest pain, or pain with breathing or coughing
- Unintentional weight loss
- Fatigue
- Fever
- Night sweats
- Chills
- Loss of appetite

➢ सक्रिय टी.बी. के संकेत और लक्षण

- तीन या अधिक सप्ताह तक खांसी रहना
- खांसी में खून या बलगम आना
- सीने में दर्द, या सांस लेने या खांसने के साथ दर्द
- अनजाने में वजन कम होना
- थकान
- बुखार
- रात को पसीना
- ठंड लगना
- भूख में कमी

Prevention:-

- Getting a diagnosis and treatment early.
- Staying away from other people until there is no longer a risk of infection.
- Wearing a mask, covering the mouth, and ventilating rooms.

रोकथाम:-

- शीघ्र निदान और उपचार प्राप्त करना।
- अन्य लोगों से तब तक दूर रहना जब तक कि संक्रमण का खतरा समाप्त न हो जाए।
- मास्क पहनना, मुंह ढकना और कमरों को हवादार करना।

File No. O-50/9/2022-AIIA-Part(2) (Computer No. 4738)
Generated from eOffice by Karan Kumar, IT_CONSULTANT(KK)-IT, IT_CONSULTANT, ALL INDIA INSTITUTE OF AYURVEDA,NEW DELHI on 19/02/2025 11:25 AM

गुप्त क्षय रोग की जाँच किसे करनी चाहिए?

सक्रिय टीबी रोग वाले किसी व्यक्ति के निकट संपर्क

टीबी उच्च दरवाले क्षेत्रों में यात्रा करना या रहना

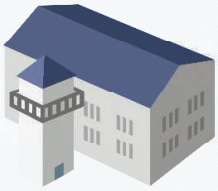

सुधार सुविधाएं/कारागार स्थान

जोलोगज्यादातरसमयउनजगहों परबितातेहैंजहांटीबीकेमरीजज्या दापाएजातेहैं।

➢ Potential Reactivation: संभावित पुनर्सक्रियन

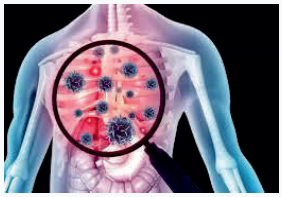

Latent TB can remain dormant for years, but there's a risk of reactivation.

Reactivation can occur if the immune system weakens, leading to active TB disease.

गुप्त टीबी वर्षों तक निष्क्रिय रह सकती है, लेकिन पुनः सक्रिय होने का जोखिम रहता है।

यदि प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो जाए तो पुनर्सक्रियण हो सकता है, जिससे सक्रिय टीबी रोग हो सकता है।

➢ Challenges in Diagnosis: निदान में चुनौतियाँ

Latent TB is challenging to diagnose as there are no symptoms.

Diagnostic tests involve screening individuals at higher risk, such as those with recent exposure to active TB cases.

गुप्त टीबी का निदान करना चुनौतीपूर्ण है क्योंकि इसके कोई लक्षण नहीं होते हैं।

नैदानिक परीक्षणों में उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों की स्क्रीनिंग शामिल होती है, जैसे कि हाल ही में सक्रिय टीबी मामलों के संपर्क में आने वाले लोग।

➢ Community Responsibility:

Emphasize the collective responsibility in preventing the spread of TB.

Support for those undergoing latent TB treatment to ensure completion of treatment.

टीबी के प्रसार को रोकने में सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर दें।

उपचार पूरा होने को सुनिश्चित करने के लिए गुप्त टीबी का इलाज करा रहे लोगों के लिए सहायता।

➢ Risk Factors for Complications: उपद्रवों के कारक

Certain factors increase the risk of latent TB reactivation, such as

HIV infection, immunosuppressive medications, and certain medical conditions.

कुछ कारक अव्यक्त टीबी पुनर्सक्रियन के जोखिम को बढ़ाते हैं, जैसे एचआईवी संक्रमण,

प्रतिरक्षादमनकारी दवाएं और कुछ चिकित्सीय स्थितियां।

File No. O-50/9/2022-AIIA-Part(2) (Computer No. 4738)
Generated from eOffice by Karan Kumar, IT_CONSULTANT(KK)-IT, IT_CONSULTANT, ALL INDIA INSTITUTE OF AYURVEDA,NEW DELHI on 19/02/2025 11:25 AM

➢ Importance of Testing and Treatment: परीक्षण और उपचार का महत्व:

Early detection through testing is crucial for preventing complications.

Early treatment can effectively eliminate latent TB bacteria,

the risk of reactivation.

जटिलताओं को रोकने के लिए परीक्षण के माध्यम से शीघ्र पता लगाना महत्वपूर्ण है।

शीघ्र उपचार के साथ प्रभावी ढंग से अव्यक्त टीबी बैक्टीरिया को खत्म कर सकता है,

जिससे पुनर्सक्रियण का खतरा कम हो जाता है।

➢ Public Health Impact: सार्वजनिक स्वास्थ्य पर प्रभाव:

Latent TB contributes to the overall burden of TB in communities.

Public awareness and proactive testing can help control the spread and impact of both latent and active TB.

गुप्त टीबी समुदायों में टीबी के समग्र बोझ में योगदान करती है।

जन जागरूकता और सक्रिय परीक्षण से गुप्त और सक्रिय टीबी दोनों के प्रसार और प्रभाव को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है।

➢ Preventive Measures: निवारक उपाय:

Education on maintaining a healthy immune system through a balanced diet, regular exercise, and adequate sleep.

Encouraging individuals at higher risk to undergo regular screening for latent TB.

संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और पर्याप्त नींद के माध्यम से स्वस्थ प्रतिरक्षा प्रणाली बनाए रखने पर शिक्षा।

उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों को गुप्त टीबी की नियमित जांच कराने के लिए प्रोत्साहित करना।

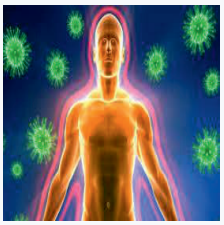

Follow Ayurveda:-

- Ayurveda gives emphasis on health and prevention of diseases.
- Ayurveda treats body as a whole.
- Ayurveda cures the root problem not just symptoms.
- Ayurveda helps you understand.
- Ayurveda has no side effects.

आयुर्वेदकोअपनाए:-

- आयुर्वेद स्वास्थ्य और रोगों की रोकथाम पर जोर देता है।
- आयुर्वेद पूरे शरीर का इलाज करता है।
- आयुर्वेद सिर्फ लक्षणों को नहीं जड़ से ठीक करता है।
- आयुर्वेद आपको समझने में मदद करता है।
- आयुर्वेद का कोई दुष्प्रभाव नहीं है।

File No. O-50/9/2022-AIIA-Part(2) (Computer No. 4738)
Generated from eOffice by Karan Kumar, IT_CONSULTANT(KK)-IT, IT_CONSULTANT, ALL INDIA INSTITUTE OF AYURVEDA,NEW DELHI on 19/02/2025 11:25 AM